## LOK SABHA

---

*Friday, July 8, 1977/Asadha 17, 1898 (Saka)*

---

*The Lok Sabha met at Eleven of the Clock*

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

## ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

SHRI KANWAR LAL GUPTA (Delhi Sadar): Sir, we want to congratulate you...

MR. SPEAKER: Not now. I am still the Speaker.

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAWATE): On your success as Speaker.

### Vacant Posts in Indian Airlines

*385. PROF. P. G. MAVALANKAR: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether the posts of Chairman and Managing Director as also two Deputy Managing Directors of Indian Airlines are vacant for quite some time, without any permanent incumbent on them;

(b) if so, full facts thereof;

(c) the reasons for not filling these important top positions promptly; and

(d) whether the said three posts have now been filled and if so, by whom, when and how?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) :(क) से (घ). इंडियन एयर लाइन्स के अध्यक्ष व प्रबन्ध निदेशक के पद का पदाधिकारी हमेशा या तो कार्यवाहक रहा है या नियमित। एयर इंडिया के उप-प्रबन्ध निदेशक, श्री के० जी० अप्पुस्वामी इस समय एयर इण्डिया में अपने कार्यों के अतिरिक्त 11–6–77 से इंडियन एयर लाइन्स के अध्यक्ष व प्रबन्ध-निदेशक के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। परन्तु, इण्डियन एयर लाइन्स में उप-प्रबन्ध निदेशक के दो पद—एक 1–9–76 से तथा दूसरा 12-11-76—से खाली पड़े हैं।

इन पदों पर नियमित पदाधिकारियों को नियुक्त करने के सम्बन्ध में कार्यवाही पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है।

PROF. P. G. MAVALANKAR: Mr. Speaker, Sir, I am happy to have got priority number one today. May I respectfully offer you our felicitations and wish you the best in your new and onerous duties at Rashtrapati Bhawan...

MR. SPEAKER: You can do so on Wednesday when I tender my resignation.

PROF. P. G. MAVALANKAR: Before I ask my two supplementaries, let me also, before you leave the Chair, seek your protection today at least. I find that the Minister's reply to my question—I do not attribute any motive—is put in such a way that a number of important points of information arising out of my original

question have been left out. So, you will have to give me a chance to ask four, rather than the usual two, supplementaries today; otherwise, it will be difficult for me to make him answer my question.

MR. SPEAKER: In the first supplementary, you may have (a), (b) and (c), and in the second supplementary also you may have (a), (b) and (c). I have never objected to that.

PROF. P. G. MAVALANKAR: I am glad you have asked me to do that, Sir.

I may say that I have nothing against this or that individual in the Indian Airlines, because they are all competent officers, but I have raised this matter because it relates to the appointment and conduct of senior-most officials who are involved in policy-making and whose decisions and implementation affect the entire working of the Indian Airlines. That is why, the individual posts are important. In view of this, may I ask the Minister whether it is a fact that Air Marshal P. C. Lal, when he was the Chairman of the Indian Airlines, was working very efficiently and competently, and he brought the Indian Airlines to great heights; that he was haunted out during Emergency somewhere around April, 1976 by threatening a CBI inquiry against him; that, when he left, one of the then Deputy Managing Directors, Mr. Mehta, was made Chairman for some months and was confirmed for one year as an Acting Chairman in November, 1976; and then Mr. Mehta had seen to it that no post of Deputy Managing Director was kept filled so that he, on his own, could run the whole show according to his likes and dictates? If that is so, it is a serious matter. So, my first question is (a) whether it is a fact that Mr. Mehta did act as Acting Chairman when Air Marshal Lal was haunted out from April 1976 to November 1976 and from November 1976 until Mr. Mehta resigned; (b) Why is it that when Mr Mehta was the Acting Chairman of the Indian Airlines Corporation, two posts of Deputy Managing Directors were not filled up; (c) Is it a fact that another Deputy Managing Director along with Mr. Mehta—I believe his name is Mr. Satyamurthy—was not made a Member of the Board of Directors of the Indian Airlines Corporation and, therefore, he went on leave and then left, and that was one way of keeping Mr. Satyamurthy also out so that Mr. Mehta could remain on the top?

**श्री पुरुषोत्तम कौशिक :** अध्यक्ष महोदय, जहां तक पी० सी० लाल का सवाल है, उनका एप्वाइंटमेंट 1-8-73 से 31-7-76 तक तीन साल के लिए हुआ था लेकिन वे 12-4-76 तक सेवा में रहे । उसके बाद वे 80 दिन की छुट्टी पर चले गये । (व्यवधान) अखबारों में जो निकलवाया गया वह आप जानते हैं । जो मैं कह रहा हूं वह रिकार्ड के अनुसार कह रहा हूं । उसके बाद श्री मेहता ने, जो डिप्टी मैनेजिंग डाइरेक्टर थे, उस पद का कार्यभार सम्भाला । वे कुछ दिन तक एक्टिंग मैनेजिंग डाइरेक्टर के रूप में कार्य करते रहे, बाद में पी० ई० एस० बी० ने उनको नियमित रूप से नियुक्त कर दिया जिसका अनुमोदन तत्कालीन केबिनेट ने भी कर दिया । मिस्टर सत्यमूर्ति एक दूसरे डिप्टी मैनेजिंग डाइरेक्टर थे जो कि मिस्टर मेहता से सीनियर थे । उनको बोर्ड आफ डाइरेक्टर्स में भी नहीं लिया गया, यह बात सही है। बाद में डिप्टी मैनेजिंग डाइरेक्टर का भी चयन हो गया और मिस्टर सत्यमूर्ति छुट्टी पर चले गये और छुट्टी पर से ही रिटायर हो गये ।

PROF. P. G. MAVALANKAR: The Minister has replied to my original question that an officer from Air India, by name Mr. K. G. Appusamy, is acting temporarily as Chairman of the Indian Airlines Corporation besides continuing in Air India—and both of these are large Corporations. He has also mentioned that two Deputy

Managing Directors' posts are still vacant. I would like to know how long the Government will take in regard to the filling up of the two posts of Deputy Managing Directors. Secondly when will the new permanent Chairman be installed so that the Indian Airlines can work efficiently; and, thirdly, is it a fact that while Mr. Mehta was Chairman of the Indian Airlines Corporation the Corporation was placing orders directly with the ex-Prime Minister's younger son's Maruti Aviation Ltd. and was giving certain facilities and advantages to the latter with regard to air-craft hangers etc. Was this done by Mr. Mehta, and, was it because of this kind of dealings with Maruti Aviation Ltd., that he was made Chairman, and that no other Deputy Chairman was appointed so that he alone could do whatever he liked?

**श्री पुरुषोत्तम कौशिक** : जहां तक डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर का सवाल है जैसा मैंने मूल उत्तर में कहा है उस पर कार्रवाई हो रही है और जल्दी दोनों पदों की पूर्ति कर दी जाएगी ।

जहां तक चेयरमैन का सवाल है उसकी नियुक्ति पी० ई० एस० बी० के द्वारा नाम की सिफारिश पर की जाती है । अन्ततोगत्वा कैबिनेट की जो एप्वाइंटमेंट्स कमेटी है उसके द्वारा ही उस पर अन्तिम रूप से मुहर लगाई जाती है, अन्तिम रूप से चयन किया जाता है । मैं माननीय सदस्य को आश्वस्त करना चाहता हूं कि बहुत शीघ्र उसका चयन हो जाएगा और स्थायी अध्यक्ष आपको मिल जाएगा . . .

**प्रो० पी० जी० मावलंकर** : कौन होगा ?

**श्री पुरुषोत्तम कौशिक** : यह नहीं कह सकता हूं लेकिन मामला विचाराधीन है । मि० मेहता का जहां तक सवाल है कि किन के आदेशों से वह काम करते थे इसके लिए मुझे सूचना चाहिये । दरअसल उन्होंने कैसे काम किया और कैसे नहीं किया इसके बारे में मैं तत्काल जवाब नहीं दे सकता हूं ।

SHRI SONU SINGH PATIL: Will the hon. Minister clarify whether it is indispensable to have one incumbent for the post of Chairman and Managing Director, Indian Airlines and whether it is proper to appoint one person as Chairman and Managing Director, because one deals with policy and the other with execution?

**श्री पुरुषोत्तम कौशिक** : अब तक मैनेजिंग डायरेक्टर और चेयरमैन दोनों एक ही आदमी होते थे । सरकार के विचाराधीन है कि दोनों एयर लाइन्ज का कामन चेयरमैन हो । इस संदर्भ में निश्चित रूप से मैनेजिंग डायरेक्टर के बारे में भी अलग कार्रवाई चल रही है और उसके बारे में भी यथाशीघ्र निर्णय ले लिया जाएगा ।

**श्री निर्मल चन्द जैन** : अभी मन्त्री जी ने बताया है कि पी० सी० लाल स्वतः छुट्टी पर गए ऐसा रिकार्ड बताता है । हम जानते हैं कि इस प्रकार के रिकार्ड बनवाए जाते थे और इस तरह से आपका सैक्रेटेरिएट जो आपको इनफार्मेशन देता है सिर्फ उसके आधार पर इस सदन को सन्तोष नहीं हो सकता है । इसके बारे में आपने स्वतः कोई जांच कराई है और आपको सन्तोष है कि वह स्वतः गए थे अथवा उन्हें जबरन छुट्टी पर भेजा गया था और उस प्रकार के कागजात उनसे लिखवाए गए थे ?

**श्री पुरुषोत्तम कौशिक** : जहां तक जानकारी प्राप्त करने का सवाल है निश्चित रूप से हमें सचिवालय पर निर्भर करना ही पड़ेगा क्योंकि जहां तक इण्डियन एयर लाइन्ज का सवाल है वह आटोनोमस बाडी है और जो उन्होंने त्यागपत्र दिया या छुट्टी पर गए

उसके बारे में निश्चित रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता । जो रिकार्ड है उसके आधार पर मैं बता सकता हूं ।

SHRI K. LAKKAPPA: For the last three months, the administration of Indian Airlines is in a very deplorable condition. A lot of indiscipline has crept in. This is not only in the matter of appointment of the Chairman in order to control the administration, but there are instances where sub-standard people have been allowed to inspect even the air-bus bought recently. On account of the lack of proper administrative machinery, the inspections are not being carried out properly and in time and it has become unsafe to travel in the air-bus. In view of this, what action is the hon. Minister going to take promptly in this regard and whether he would assure the House that in such important matters like appointment to the post of Chairman in such an organization, no political considerations will be allowed to come in and only this would be done on the basis of competence?

**श्री पुरुषोत्तम कौशिक** : माननीय सदस्य ने जितने आरोप लगाए हैं उनका मैं जोरदार शब्दों में खण्डन करता हूं और स्पष्ट तौर पर कहना चाहता हूं कि एमरजेंसी के दौरान दरअसल इण्डियन एयर लाइन्ज की स्थिति बहुत शोचनीय हो गई थी और पिछले तीन महीने में काफी हमने सुधार किया है और हम उम्मीद करते हैं कि पूरी तरह सुधार हम कर लेंगे । इसके बारे में मैं उनको आश्वस्त करना चाहता हूं । इस बात के लिये मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि वर्तमान सरकार द्वारा किसी भी तरीके से कोई राजनीतिक नियुक्ति नहीं की जायेगी ।

**श्री सुरेन्द्र विक्रम** : क्या मन्त्री जी बतायेंगे कि पिछले 3 महीनों में जो सुधार हुआ है उसका कारण यह है कि श्री संजय गांधी का इण्डियन एयर लाइन्स पर नियन्त्रण नहीं रहा है ?

**श्री पुरुषोत्तम कौशिक** : क्योंकि मैं स्वतन्त्र रूप से अपनी इच्छा से काम कर रहा हूं इसलिये सुधार हुआ है ।

**श्रीमती अहिल्या पो० रांगनेकर** : पिछली सरकार के सामने जो ऐवरो विमान के बारे में पायलट असोसियेशन के सेक्रेटरी कैप्टेन यशवन्त रनदीवे जी ने सवाल रखे थे वह सच थे यह अब स्पष्ट हो रहा है । इसलिये उनको और कैप्टन नाडकर्णी को अब वापस लेने के लिये मन्त्री महोदय कुछ करेंगे ?

**श्री पुरुषोत्तम कौशिक** : उनके मामले पर विचार चल रहा है ।

SHRI VAYALAR RAVI: I record my protest that the Minister has taken the direct flight from Delhi to Madras *via* Nagpur. Sir, here the hon. Members are speaking very highly about Mr. P. C. Lal, but he has introduced the most autocratic, arbitrary and anti-labour attitude into the Indian Airlines. I hope the Minister will not drag him again to introduce this anti-labour attitude into the Airlines. In this connection, may I know whether Mr. P. C. Lal is the most anti-labour and procapitalist man in the Indian Airlines. Please don't drag him again and praise him. Secondly, I would like to know if there are many posts of Asst. Managers, Traffic Officers, etc., who have been already selected but not appointed and the posts lying vacant. Will you please look into it and see that these posts are filled at the earliest?

**श्री पुरुषोत्तम कौशिक** : जहां तक किसी व्यक्ति विशेष का सवाल है उनकी मैरिट्स पर यहां चर्चा करना बहुत उचित नहीं है ।

MR. SPEAKER: Mr. Bhattacharyya.

SHRI VAYALAR RAVI: Sir, he has not answered the second part of my question. I said that there are many posts of Asstt. Managers and Traffic Officers lying vacant and interviews held to fill them but no appointment has been made. Will you look in it and—see that they are filled early?

**श्री पुरुषोत्तम कौशिक** : उसको मैं देख लूंगा ।

SHRI DINEN BHATTACHARYYA: May I know from the Minister? After Mr. P. C. Lal was forced out of his post, what were the main functions of Mr. Mehta and what are the main features of his activity apart from the mal-treatment of the employees of Indian Airlines and Air India?

**श्री पुरुषोत्तम कौशिक** : इसका तो मैं देख कर जवाब दूंगा ।

SHRI DINEN BHATTACHARYYA: Notice is already there.

MR. SPEAKER: He has not got all the details.

**श्री एम० राम गोपाल रेड्डी** : मन्त्री जी ने अपना उत्तर देते हुए एक भावना पैदा की है कि श्री पी० सी० लाल को जबरदस्ती पिछली सरकार ने बाहर कर दिया है । मगर मैं मन्त्री जी को बताना चाहता हूं कि श्री पी० सी० लाल ने उस जमाने में जबकि इण्डियन एयर-लाइन्स स्ट्राइक पर थी बहुत अच्छा मैनेजमेंट चलाया था जिसका ऐप्रीशियेशन इस सदन में किया गया था । इसलिये अब जो कहा जा रहा है कि श्री लाल को जबरदस्ती निकाल दिया गया है यह सही नहीं है । इस बारे में मन्त्री जी का क्या कहना है ?

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Mr. Ravi, here comes a progressive Congressman. It is a hold-all party.

**श्री पुरुषोत्तम कौशिक** : जहां तक रेकार्ड का सवाल है उसके अनुसार वह स्वेच्छा से छुट्टी पर गये । बाकी और किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत आचरण के बारे में यहां कुछ कहना मैं समझता हूं कि इस सदन के कनवेंशन के विपरीत है ।

SHRI M. KALYANASUNDARAM: If I understand the answers correctly and properly, it is clear that Indian Airlines has been functioning without these top-heavy posts, namely, without a permanent Chairman and Managing Director and without two Deputy Directors and some senior officers also. But it has been functioning. Of course, with regard to efficiency, I do not think it has either fallen or improved. Will the Minister tell us whether the probe will be made in regard to the necessity of filling these posts before doing the needful?

**श्री पुरुषोत्तम कौशिक** : दोनों डिप्टी मैनेजिंग डाइरेक्टर की पोस्ट एमरजेंसी के दौरान खाली हुई थीं, और मैं कोशिश कर रहा हूं कि इनको तत्काल भरा जाये और काम चालू किया जाये ।

SHRI VASANT SATHE: If you could do well without these posts, why should you have them at all?

MR. SPEAKER: Mr. Kalyanasundaram, he could not get your question.

SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK: Will you please repeat your question?

SHRI M. KALYANASUNDARAM: The Indian Airlines were able to manage without these top posts for nearly a year. Many of these posts are superfluous. Will the Government examine whether these posts are necessary before filling them?

SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK: That will be examined.

SHRI DINESH JOARDER: During the administration of erstwhile Shri P. C. Lal, marshall law was imposed in the Indian Airlines. Many of the benefits that were previously enjoyed by the employees—working hours, shift system etc., were taken away. Some of the employees were even punished by way of transfer. In some cases the pay was reduced. Will those benefits be restored at the time of the appointment of the new Chairman? Will this aspect be considered by the Administration as well as by the Chairman?

**श्री पुरुषोत्तम कौशिक** : इस बात का परीक्षण किया जायेगा और जो उचित कार्यवाही होगी, वह की जायेगी ।

DR. KARAN SINGH: Hon. Minister spoke of a Common Chairman for Air India and Indian Airlines. Is the hon. Minister aware that the operation of Air India and Indian Airlines is entirely of a different character. Air India functions in a highly competitive field. Indian Airlines is more of service organisation and virtually is a monopoly organisation. The Headquarters of Indian Airlines is in Delhi, whereas the Headquarters of Air India is in Bombay. Before taking a decision of a common Chairman, will all these aspects be taken into consideration?

SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK: As I have said, a Committee has been appointed. The Committee will definitely examine all the relevant points which the hon. Ex-Minister has referred to.

**इंडियन एयरलाइन्स द्वारा श्री राजीव गांधी के लिए किये गये सुरक्षा प्रबन्धों पर किया गया व्यय**

*386. **श्री हरगोविन्द वर्मा** : क्या **पर्यटन और नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या श्री राजीव गांधी की वायुयान यात्रा के दौरान उनके लिए विशेष सुरक्षा प्रबन्ध किये गये थे और उनके लिये सुरक्षा प्रबन्धों पर व्यय का वहन इंडियन एयरलाइन्स द्वारा किया गया था ; और

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और उनके लिए किए गए सुरक्षा प्रबन्धों पर कुल कितना व्यय किया गया ?

**पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक)** : (क) और (ख) . जब श्री राजीव गांधी एक विमान यात्री के रूप में यात्रा करते थे तो उनके लिए कोई विशेष सुरक्षा प्रबन्ध नहीं किये जाते थे । परन्तु जब भी वे इंडियन एयरलाइन्स के किसी भी सेवा का विमानचालक के रूप में परिचालन करते थे तो उनके लिए विशेष अपहरण-विरोधी (एंटी-हाइजैक) तथा तोड़फोड़-विरोधी (एंटी-सेबोटाज) पूर्वोपाय किए जाते थे । संबंधित राज्यों को श्री राजीव गांधी के रात्रिकालीन विरामों के दौरान उनकी सुरक्षा की समुचित व्यवस्था करने के लिए निर्देश भी जारी किये जाते थे ।

ऐसे सुरक्षा प्रबन्धों पर इंडियन एयरलाइन्स द्वारा कोई व्यय नहीं वहन किया गया । जहां तक उनकी सुरक्षा की व्यवस्था करने के लिए राज्य सरकारों द्वारा किये गये व्यय का संबंध है, सूचना एकत्रित की जा रही है तथा जैसे ही वह प्राप्त हो जायेगी, सभापटल पर रख दी जायेगी ।

**श्री हरगोविन्द वर्मा** : मंत्री महोदय ने कहा है कि श्री राजीव गांधी के लिए कोई विशेष सुरक्षा व्यवस्था नहीं की जाती थी । क्या यह सही नहीं है कि भूतपूर्व प्रधान मंत्री के सिक्युरिटी-ग्रुप का एक आदमी हवाई जहाज में उनके साथ जाता था, और अगर रात के समय बम्बई में रुकना पड़े, तो वे वहां के मुख्य होटल, ताज महल, में ठहरते थे और इसका सारा खर्चा इंडियन एयरलाइन्स बर्दाश्त करता था ? क्या यह भी सहीही नहीं